समाज कार्य में स्नातक उपाधि

सत्रीय कार्य : 2025–2026

बीएसडब्ल्यूई-005 : एचआईवी/एड्स का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2025 सत्र–मार्च 31,2026
जनवरी, 2026 सत्र–सितम्बर 30,2026

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

(प्रो.सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक
email:bswinfo@ignou.ac.in
Ph: 011–29571697

एचआईवी/एड्स का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परिवार के लिए एचआईवी/एड्स के आयामों चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी संक्रमण के विकास में विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 20

2) "रोकथाम इलाज से बेहतर है"। भारत में एचआईवी की रोशनी में इस कथन पर चर्चा करें। 20

अथवा

पेशेवरों की मदद के लिए उपयोगी जीवन कौशल पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी के पूर्व–परीक्षण परामर्श में शामिल चरणों की व्याख्या करें।

ख) एचआईवी उपशामक देखभाल और पारंपरिक देखभाल के बीच क्या अंतर हैं? 10

ग) एचआईवी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए भारत में संयुक्त राष्ट्र और द्विपक्षीय एजेंसियों द्वारा किए गए प्रमुख योगदानों पर चर्चा करें। 10

घ) भारत में एचआईवी/एड्स के इतिहास का पता लगाएं। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी के लिए अनिवार्य और स्वैच्छिक परीक्षण के बीच अंतर स्पष्ट करें। 5

ख) एचआईवी/एड्स के साथ रहने वाले लोगों की स्वायत्तता के अधिकार की व्याख्या करें। 5

ग) एचआईवी के प्रसार में चिकित्सा प्रणाली लापरवाही के कारण कैसे योगदान करती है? 5

घ) भारत में एचआईवी/एड्स पर कार्यस्थल की नीतियां क्या हैं? 5

ङ) एचआईवी/एड्स की स्थिति में मां से बच्चे के संक्रमण को कैसे रोका जा सकता है? 5

च) भारत में PLHAs से संबंधित किसी भी दो संवैधानिक प्रावधानों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) वियोग परामर्श 4

ख) अवसरवादी संक्रमण 4

ग) एलिसा परीक्षण 4

घ) विंडो अवधि 4

ङ) नाको 4

च) उच्च जोखिम समूह 4

छ) एसटीडी और एचआईवी/एड्स 4

ज) कलंक और भेदभाव 4